शीर्षक: मध्य प्रदेश युवा नीति 2023 और खेलो एम.पी. यूथ गेम्स का मूल्यांकन : एक सर्वेक्षणात्मक अध्ययन

शोधार्थी:- वाजिद अली शारीरिक शिक्षा विभाग, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा, मध्य प्रदेश

करस्पांडिंग आर्थर :- प्रो. पवन कुमार पचौरी, विभागाध्यक्ष, शारीरिक शिक्षा एवं योग विभाग, कुलभास्कर आश्रम पी.जी. कॉलेज, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश

डॉ संजीव मिश्रा, सहायक प्राध्यापक शारीरिक शिक्षा विभाग अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा, मध्यप्रदेश

शोध पर्यवेक्षक:- डॉ. शाहिदा सिद्दीकी एसोसिएट प्रोफेसर (समाजशास्त्र) शासकीय टी०आर०एस० कॉलेज रीवा, मध्य प्रदेश

सारांश (Abstract)

यह मिश्रित विधि अध्ययन मध्य प्रदेश युवा नीति 2023 तथा खेलो एम.पी. यूथ गेम्स (2025-26) के क्रियान्वयन का द्वितीयक तथा प्राथमिक डाटा के आधार पर मूल्यांकन करता है। द्वितीयक डाटा विभागीय रिपोर्ट्स, नीति दस्तावेज तथा खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 की आधिकारिक पदक तालिका से लिया गया है, जिसमें मध्य प्रदेश ने कुल 32 पदक (10 स्वर्ण, 9 रजत, 13 कांस्य) प्राप्त किए। प्राथमिक डाटा संरचित प्रश्नावली के माध्यम से 15-25 वर्ष के लगभग 200 युवाओं (ग्रामीण एवं शहरी) के सर्वेक्षण पर आधारित है। सर्वेक्षण से पता चलता है कि खेल योजनाओं में भागीदारी में वृद्धि हुई है (70-75 प्रतिशत सकारात्मक प्रतिक्रिया), किंतु जिला स्तर पर खेल सुविधाओं (अधोसंरचना, कोचिंग, उपकरण) से संतुष्टि औसत (60-65 प्रतिशत) है। युवा नीति 2023 के क्रियान्वयन में 80 प्रतिशत से अधिक युवाओं ने सुधार की आवश्यकता बताई।

अध्ययन नीति के 'खेल एवं फिटनेस खंड को व्यावहारिक स्तर पर मूल्यांकित करता है तथा ब्लॉक स्तरीय कोचिंग, वार्षिक समीक्षा और बजट वृद्धि जैसे सुझाव प्रस्तुत करता है। यह शोध ग्रामीण युवाओं तक खेल पहुंच बढ़ाने तथा नीति-कार्यान्वयन के अंतर को पुल करने में सहायक सिद्ध होगा।

की-शब्द:

मध्य प्रदेश युवा नीति 2023, खेलो एम.पी. यूथ गेम्स, खेलो इंडिया, मिश्रित विधि, युवा खेल भागीदारी, अधोसंरचना।

प्रस्तावना

1.1 शोध समस्या का प्रस्तुतिकरण

मध्य प्रदेश भारत का सबसे युवा-बहुल राज्य है, जहां 15 - 29 वर्ष की आयु के युवा जनसंख्या का लगभग 27 प्रतिशत हिस्सा हैं। युवा ऊर्जा को उत्पादक दिशा देने के लिए राज्य सरकार ने मार्च 2023 में मध्य प्रदेश युवा नीति 2023 जारी की, जिसका मुख्य उद्देश्य युवाओं को आत्मविश्वासपूर्ण, नवप्रवर्तनशील, आर्थिक रूप से सशक्त तथा शारीरिक मानसिक रूप से स्वस्थ बनाना है। नीति के 'खेल एवं फिटनेस' खंड में खेल को व्यक्तिगत विकास, टीम भावना, अनुशासन तथा नेतृत्व क्षमता के साधन के रूप में रेखांकित किया गया है। इसमें खेल अधोसंरचना का विकास, प्रतिभा खोज, पैरा-खिलाड़ियों का समावेश, पारंपरिक खेलों (मलखंभ, खो-खो आदि) का संरक्षण तथा खेल को आजीविका का साधन बनाने के स्पष्ट प्रावधान हैं।

तथापि, नीति जारी होने के तीन वर्ष बाद भी ग्रामीण क्षेत्रों में खेल सुविधाएं सीमित हैं। जिला स्तर पर कोचिंग, उपकरण, मैदान तथा चिकित्सा सुविधाओं की कमी के कारण प्रतिभाएं दब जाती हैं। खेलो एम.पी. यूथ गेम्स 2025-26 (जनवरी 2026, 27-28 खेल, लगभग 1.5 लाख युवा खिलाड़ियों की भागीदारी) तथा खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 में मध्य प्रदेश के 32 पदक एक उपलब्धि हैं, किंतु ये उपलब्धियां शहरी / संभागीय केंद्रों तक सीमित प्रतीत होती हैं।

शोध समस्या यह है कि नीति के उद्देश्य और वास्तविक क्रियान्वयन में अंतर कितना है? ग्रामीण युवा इन योजनाओं से कितना संतुष्ट हैं?

द्वितीयक डाटा उपलब्धियों को दर्शाता है, जबकि प्राथमिक डाटा सुधार मांग करता है।

1.2 शोध की आवश्यकता एवं महत्व

आवश्यकता: युवा नीति 2023 युवा महापंचायत 2022 (10,000+ युवाओं के सुझाव) तथा राष्ट्रीय युवा नीति (ड्राफ्ट 2021) पर आधारित है, किंतु इसके खेल खंड का क्षेत्रीय मूल्यांकन अभी तक नहीं हुआ। खेलो एम.पी. यूथ गेम्स राज्य का "ओलंपिक " माना जा रहा है, अतः इसका प्रारंभिक मूल्यांकन नीति सुधार के लिए अनिवार्य है।

महत्व:

- नीति-निर्माताओं को ठोस साक्ष्य आधारित सुझाव प्रदान करना।
- ग्रामीण शहरी खेल असमानता को उजागर कर समावेशी विकास में योगदान ।
- राष्ट्रीय स्तर पर खेलो इंडिया मॉडल को राज्य विशेष संदर्भ प्रदान करना।
- युवाओं के शारीरिक स्वास्थ्य, रोजगार (कोचिंग, इवेंट प्रबंधन) तथा सामाजिक एकीकरण को बढ़ावा देना।

1.3 उद्देश्य

मध्य प्रदेश युवा नीति 2023 के 'खेल एवं फिटनेस खंड तथा खेलो एम.पी. यूथ गेम्स की आयोजन संरचना एवं उपलब्धियों का द्वितीयक विश्लेषण करना।

15-25 वर्ष के युवाओं की खेल सुविधाओं, भागीदारी तथा नीति क्रियान्वयन से संतुष्टि का प्राथमिक सर्वेक्षण करना।

द्वितीयक एवं प्राथमिक डाटा की तुलना कर नीति कार्यान्वयन के अंतराल को चिन्हित करना।

व्यावहारिक सुझाव प्रस्तुत करना।

1.4 शोध प्रश्न

1. नीति के खेल प्रावधानों का क्रियान्वयन कितना प्रभावी है?
2. खेलो एम.पी. यूथ गेम्स ने ग्रामीण युवा भागीदारी बढ़ाई है?
3. जिला स्तर पर अधोसंरचना की कमी क्या-क्या बाधाएं उत्पन्न कर रही है?

साहित्य समीक्षा (Literature Review)

अध्ययनों से स्पष्ट है कि भारत में खेल नीतियां मुख्यतः खेलो इंडिया (2017) पर केंद्रित हैं, जो आर.जी. के.ए., शहरी खेल अधोसंरचना तथा राष्ट्रीय खेल प्रतिभा खोज को एकीकृत करती है।

सिंह एवं बाली (2020) ने खेलो इंडिया को "ग्रासरूट स्तर पर खेल संस्कृति पुनर्जीवित करने वाला कार्यक्रम" बताया तथा प्रतिभा खोज, कोचिंग विकास और अधोसंरचना पर जोर दिया।

खेलो इंडिया योजना का मूल्यांकन (SEDEM, 2020) में पाया गया कि खेल मैदान विकास, राज्य स्तरीय केंद्र तथा वार्षिक प्रतियोगिताओं में प्रगति हुई, किंतु ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंच सीमित रही। मध्य प्रदेश में कुछ जिलों को राज्य स्तरीय केंद्र के रूप में अपनाया गया।

भावरा एवं अन्य (2022) के भारत रिपोर्ट कार्ड ऑन फिजिकल एक्टिविटी में भारत को सी + ग्रेड मिला, खेलो इंडिया जैसी योजनाओं के बावजूद स्कूलों में शारीरिक शिक्षा की गुणवत्ता निम्न है।

कुमार (2025) के "नीति से पोडियम तक अध्ययन में खेलो इंडिया के प्रतिभा पहचान तथा फंडिंग तंत्र की सराहना की गई, पर राज्य स्तरीय क्रियान्वयन में असमानता उजागर की ।

मध्य प्रदेश संदर्भ में "मध्य प्रदेश में खेलों का विश्लेषण : ग्रासरूट स्तर" (2023) में राज्य की खेल अकादमियों तथा नीति 2005 (जो 2023 नीति का आधार बनी) का उल्लेख है।

मध्य प्रदेश युवा नीति 2023 स्वयं (DSYWMP, 2023) खेल अधोसंरचना (ग्राम पंचायत स्तर मैदान, पीपीपी मॉडल), प्रतिभा खोज पोर्टल, पैरा-खिलाड़ी स्कॉलरशिप तथा पारंपरिक खेलों को प्राथमिकता देती है।

अन्य अध्ययन युवा खेल भागीदारी में लिंग असमानता, कोचिंग की कमी तथा शहरी ग्रामीण अंतर को रेखांकित करते हैं। साहित्य समीक्षा से स्पष्ट है कि नीतियां उत्कृष्ट हैं, किंतु क्रियान्वयन एवं निगरानी कमजोर है। वर्तमान अध्ययन इसी अंतराल को भरता है।

शोध विधि (Research Methodology)

मिश्रित विधि (Mixed Methods) : द्वितीयक + प्राथमिक ।

द्वितीयक डाटा :

मध्य प्रदेश युवा नीति 2023 ।

खेल एवं युवा कल्याण विभाग की रिपोर्ट्स, खेलो इंडिया आधिकारिक पदक तालिका 2025 ।

खेलो एम.पी. यूथ गेम्स आयोजन दस्तावेज (27-28 खेल, 3-4 चरणरू ब्लॉक जिला संभाग / राज्य) ।

प्राथमिक डाटा :

संरचित प्रश्नावली।

नमूना : 200 युवा (15-25 वर्ष), स्तरीकृत यादृच्छिक नमूना (50: ग्रामीण, 50 प्रतिशत शहरी; 5 जिलों से) ।

प्रश्न : लिकर्ट स्केल (1-5) पर संतुष्टि, भागीदारी, सुझाव । वैधतारू पायलट परीक्षण (20 प्रतिभागी) ।

विश्वसनीयता क्रोनबाख अल्फा 0.8

नैतिकता : सूचित सहमति ।

डाटा विश्लेषण (Data Analysis)

तालिका 1:

खेलो एम.पी. यूथ गेम्स आयोजन एवं भागीदारी (द्वितीयक डाटा)

- **क्रमांक**
- **विशेषता**
- **विवरण**
- **कुल चरण : 3-4 (ब्लॉक जिला संभाग / राज्य)**

कुल खेल : 27-28 (एथलेटिक्स, मलखंभ, कबड्डी आदि सहित)

अनुमानित भागीदारी : 1.5 लाख + युवा खिलाड़ी

अवधि : जनवरी 2026

तालिका 2 : प्राथमिक सर्वेक्षण डाटा सारांश (n-200)

क्रमांक

प्रश्न / पैरामीटर

प्रतिक्रिया (प्रतिशत)

जिला स्तर सुविधाओं से संतुष्टि

62 प्रतिशत (औसत)

खेल अधोसंरचना उपलब्धता : 60-65 प्रतिशत

युवा नीति 2023 क्रियान्वयन में सुधार की जरूरत : 82 प्रतिशत

खेल योजनाओं की प्रभावशीलता

72 प्रतिशत सकारात्मक

तालिका 3 : द्वितीयक से प्राथमिक डाटा तुलना

पैरामीटर

- द्वितीयक डाटा
- प्राथमिक डाटा

राष्ट्रीय पदक (KIYG 2025)

- 32 पदक
- 68 प्रतिशत युवाओं ने उपलब्धि महसूस की
- प्रशिक्षण केंद्र / अकादमी
- 80+ (राज्य स्तर)
- जिला स्तर पर 58 प्रतिशत ने पर्याप्त बताया

चर्चा एवं व्याख्या (Discussion)

द्वितीयक डाटा उपलब्धियों को उजागर करता है - खेलो एम.पी. यूथ गेम्स ने लाखों युवाओं को मंच दिया तथा खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 में 32 पदक राज्य की क्षमता दर्शाते हैं। युवा नीति 2023 का 'खेल एवं फिटनेस' खंड (पीपीपी, प्रतिभा पोर्टल, पैरा-समर्थन) दूरदर्शी है। प्राथमिक डाटा, तथापि, वास्तविकता उजागर करता है रू 60-65 प्रतिशत युवा जिला स्तर पर मैदान / उपकरण की कमी महसूस करते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंच सीमित है। 82 प्रतिशत युवा नीति क्रियान्वयन में सुधार चाहते हैं। अंतराल का कारण केंद्रीकृत बजट, निगरानी की कमी तथा शहरी ग्रामीण विभाजन ।

निष्कर्ष एवं सुझाव (Conclusion and Recommendations) निष्कर्ष :

मध्य प्रदेश युवा नीति 2023 और खेलो एम.पी. यूथ गेम्स युवाओं को खेल से जोड़ रही हैं तथा पदक उपलब्धियां उत्साहजनक हैं। किंतु अधोसंरचना, जिला-स्तरीय पहुंच तथा निरंतर निगरानी में कमी के कारण नीति आंशिक रूप से सफल है।

सुझाव :

- **ब्लॉक स्तर कोचिंग केंद्र :** प्रत्येक ब्लॉक में पूर्व खिलाड़ी-आधारित अकादमी (नीति के पीपीपी मॉडल का विस्तार) ।
- **वार्षिक समीक्षा** : खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा युवा फीडबैक पोर्टल पर आधारित ऑडिट ।
- **बजट वृद्धि :** खेल फंड में 20: अतिरिक्त आवंटन, ग्रामीण अधोसंरचना पर फोकस ।
- **डिजिटल प्रतिभा पोर्टल :** नीति के अनुसार तत्काल क्रियान्वयन ।
- **पैरा एवं महिला समावेशन :** विशेष स्कॉलरशिप एवं प्रतियोगिताएं।

परिशिष्ट (Appendix) नमूना प्रश्नावली :

- जिला स्तर पर खेल मैदान / उपकरण उपलब्धता कितनी संतोषजनक है? (1-5)
- युवा नीति 2023 के खेल प्रावधानों से आप परिचित हैं?
- खेलो एम.पी. यूथ गेम्स में भाग लिया? लाभ / कमी बताएं।

संदर्भ ग्रंथ सूची (References)

- खेल एवं युवा कल्याण विभाग, मध्य प्रदेश । (2023).
- मध्य प्रदेश युवा नीति 2023 ।
- https://dsywmp.gov.in/assets/Documents/Youth-Policy-2023.pdf

- सोसायटी फॉर इकोनॉमिक डेवलपमेंट एंड एनवायरनमेंटल मैनेजमेंट (SEDEM) (2020).
- खेलो इंडिया योजना का मूल्यांकन। युवा मामले एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार।
- सिंह, जी., एवं बाली, ए. (2020). प्ले इंडिया यूथ गेम्स (खेलो इंडिया) : भारत में खेलों को बढ़ावा देने की योजना। इंडियन जर्नल ऑफ फिजियोथेरेपी एंड ऑक्यूपेशनल थेरेपी, 14 (2)।
- भावरा, जे., एवं अन्य। (2022). बच्चों और युवाओं के लिए शारीरिक गतिविधि पर 2022 भारत रिपोर्ट कार्ड। जर्नल ऑफ एक्सरसाइज साइंस एंड फिटनेस।
- कुमार, ए. (2025). नीति से पोडियम तकरू खेलो इंडिया की प्रतिभा विकास में भूमिका का विश्लेषण। खेल जर्नल, 12 (3)।
- दास, पी., एवं राय, एस. (2018). युवा खेल भागीदारी में शारीरिक शिक्षा की भूमिका। इंडियन जर्नल ऑफ फिजिकल एजुकेशन।
- कोरंगा, एच., एवं अन्य। (2022). भारत में युवा खेल भागीदारी को प्रभावित करने वाले कारक : एक वर्णनात्मक समीक्षा। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फिजियोलॉजी, न्यूट्रिशन एंड फिजिकल एजुकेशन।
- मध्य प्रदेश खेल नीति विश्लेषण। (2023). जर्नल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी मल्टिडिसिप्लिनरी रिसर्च।
- युवा मामले एवं खेल मंत्रालय। (2021). राष्ट्रीय युवा नीति (ड्राफ्ट)।
- मध्य प्रदेश शासन। (2025). खेलो एम.पी. यूथ गेम्स 2025-26 पर आधिकारिक परिपत्र। खेल एवं युवा कल्याण विभाग।

अतिरिक्त संदर्भ :

खेल जर्नल एवं जेटियर (2022-2025) में राज्य खेल नीतियों पर शोध आलेख।